श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

श्री दिगम्बर जैन महासमिति
राष्ट्रीय अधिवेशन 18-19 मार्च, 2023
श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र (राजस्थान)

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली–110065
मो. 8826578600, 9999495706

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of	:	Shree Digamber Jain Mahasamiti
Account No	:	10170001973962
Branch	:	Bandhan Bank, Greater Kailash, Delhi-110048
IFSC Code	:	BDBL0001727

वर्ष 5 - अंक 2 मार्च-अप्रैल 2023

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय संयोजक
डॉ. रिचा जैन
मो. 9822221951

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
इन्दु गांधी जैन

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना, मो. 8668734864
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर, मो. 8619531143

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुख्य कार्यालय
Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

मुद्रक : रचना सिंडिकेट
बी. एस. सागवान
मो. 8178438390
दिल्ली-110093

विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1. सम्पादकीय ...	2
2. महासमिति का अधिवेशन ...	4
3. लाड़ो के विवाह में सहयोग ...	7
4. सकोरों का वितरण...	8
5. भोजन एवं दैनिक उपयोग सामग्री का वितरण	9
6. चुनाव के कार्यक्रम की झलकियां ...	10
7. गोशाला में चारावितरण ...	11
8. अतिशय क्षेत्र के कार्यक्रम की झलकियां	12

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

स्वर्णिम स्मृतियां

एकान्त, एकाग्र और संयमी जीवन की विलक्षण मानवीय प्रतीत एवं त्याग तितिक्षा और वैराग्य की सांस्कृतिक धरोहर के धनी तीर्थकंरो की शृंखला को पल्लवित और पुष्पित करती दिगम्बर मुनि परम्परा की एक अत्यन्त महत्वपूर्ण और प्रभावशाली कड़ी के रुप में परम पूज्य सराकोद्धारक आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज ने अपने आभामण्डल से समग्र मानवीय चेतना को एक अभिनव संद्दष्टि दी है, जिससे जन्म हुआ है एक वैचारिक क्रान्ति का। उसी वैचारिक क्रान्ति को गति देते हुए पूज्य आचार्यश्री ने आधुनिक कालखण्ड में भुला दिये गये जैन स्वतन्त्रता सैनानियों के कृतित्व से समाज को परिचित कराने का गुरुकार्य किया है जिसके परिणामस्वरुप एक ओर विस्मृति हो रहे उन स्वतन्त्रता सैनानियों की देशभक्ति से आधुनिक समाज परिचित हुआ है तो दूसरी ओर उनकी जैनत्व जीवन शैली की प्रामाणिकता भी हमारे मध्य संस्थापित हुई है। स्वतन्त्रता के महासंग्राम में जैन समाज का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं प्रेरक है जिसे ऐसे क्रान्तिकारी विचारक एवं आचारनिष्ठ दिगम्बर सन्त ने पहचानकर उसे आधुनिक समाज में संवद्धित किया है जो इस युग की आवश्यकता है। 21 वीं सदी की ओर बढ़ते हुए युवा देश–भक्तों के लिऐ ये स्वर्णिम स्मृतियां उस अनमोल धरोहर की तरह हैं जो हमें अपने पूर्वजों से विरासत के रुप में प्राप्त हुई हैं।

1. भारत के संविधान निर्माण में जैन स्वतन्त्रता सैनानियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया था। संविधान निर्माण सभा में 5 जैन सदस्यों ने अपनी भूमिका निभाई थी, जिसमें श्री कुसुमकान्त जैन सम्भवतः सभा के सबसे कम उम्र के सदस्य थे।
2. संविधान के प्रथम पृष्ठ पर मोहन–जोंदड़े से प्राप्त सील पर ऋषभदेव का चिन्ह है। इसी प्रकार संविधान के पृष्ठ 63 पर अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर स्वामी का चित्र प्रदर्शित है।
3. संविधान के ही पृष्ठ 154 पर दाण्डी यात्रा के समय महात्मा गान्धी को तिलक करती सरलादेवी सारा भाई (जैन) चित्रित हैं, जिन्होंने दाण्डी यात्रा में महिलाओं का नेतृत्व किया था।
4. आजादी के बाद 50 वर्षों में लगभग 35 सांसद, 4 राज्यपाल, 8 मुख्यमंत्री, 4 राजदूत, अनेक वैज्ञानिक और उच्च पदों पर जैन समाज के व्यक्ति आसीन हो चुके हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा में 50 जैन विधायक अब तक निर्वाचित हो चुके हैं। (इन चुनावों से पहले)।

देश प्रेम की सर्वोच्चता

5. सम्प्रदाय, जाति और वर्ग की अनेक भिन्नताओं को रखते हुए भी जो अभिन्न हैं, वह राष्ट्र है। ऐसे राष्ट्र की अखण्डंता और एकता को ध्यान में रखते हुए जैन धर्माबलम्बियों ने स्वतन्त्रता संग्राम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया एवं आजादी के मार्ग को प्रशस्त किया।
6. शहीद मोतीचन्द जैन ने स्वतन्त्रता सैनानियों को जेल में खून से पत्र लिखकर राष्ट्रीय भावनाओं से ओत–प्रोत किया था।
7. नेताजी सुभाषचन्द बोस के निजी चिकित्सक रहे कर्नल डॉ. राजमल कासलीवाल जैन, ने अंग्रेजी सैना की कर्नली छोड़कर आजाद हिन्द फौज में सम्मिलित हो गये थे।
8. स्वतन्त्रता संग्राम में अग्रणी श्री रायचन्दनागडा (जैन) जेल में रहते हुए अपनी सरलता, सहजता और देश प्रेम की भावना से जन–जन को आन्दोलित करते थे।
9. लगभग 5000 जैनों ने स्वतन्त्रता आन्दोलन में जेल की कठोर यातनायें सहीं।

सर्वस्व किया कुर्बान, रखी देश की शान

10. फल–फूल नहीं सकता। इसलिए जैन समाज ने कन्धे से कन्धा मिलाकर स्वतन्त्रता के आन्दोलन में भाग लिया। आजादी के आन्दोलन में अपना सर्वस्व समर्पण करने वाले ग्वालियर के सिंधिया राजा के खंजाची शहीद अमरचन्द बांठिया (जैन) को झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की सहायता करने के आरोप में सन् 1857 में ग्वालियर में फाँसी पर चढ़ा दिया गया और उनका शव ग्वालियर से सर्राफा बाजार में नीम के पेड़ पर 3 दिन तक लटका रहा।

11. 1857 की ही क्रान्ति में बहादुर शाह के मित्र लाला हुकुमचन्द जैन, हाँसी व उनके भतीजे फकीर चन्द जैन को उन्हीं की कोठी के आगे फाँसी पर लटका दिया गया था।

12. दानवीर भामाशाह का नाम अपनी देश भक्ति के कारण इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित है। हल्दीघाटी के युद्ध में मिली पराजय से एवं सैनिकों की दयनीय स्थिती देखते हुए जब महाराणा प्रताप बादशाह से सन्धि करने को उद्धत हुए तो भामाशाह ने उनके चरणों में इतनी विपुल द्रव्य समर्पित करदी कि जिससे 25 हजार सैनिकों का 12 वर्ष तक निर्वाह हो सकता था।

13. आजाद हिन्द फौज के सैनिकों को जब बन्दी बनाया गया तो उनकी सहायतार्थ जबलपुर (म.प्र.) में एक सभा का आयोजन हुआ, जिसमें दो चादरधारी साधक भी विराजमान थे। उन्होंने अपनी एक चादर मुकद्में की पैरवी को देदी वह चादर उस समय रु 3000/– की बिकी और उसका फल यह हुआ कि शीघ्र ही वे सैनिक मुक्त कर दिये गये। ये साधक थे क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद वर्णी जी जो बाद में जैन जगत के गान्धी के नाम से प्रसिद्ध हुए।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी पर जैनधर्म का प्रभाव

14. **महात्मा गाँधी** बचपन से ही जैन धर्म के प्रति श्रद्धावान थे। जब वे विदेश जाने लगे और उनकी माता ने उन्हें मॉसाहार–मदिरापान आदि के सेवन से इन्कार कर दिया तब एक जैन साधू ने गाँधी जी को मांसाहार व मदिरापान सेवन न करने का नियम दिलवाया।

15. महात्मा गाँधी ने भगवान महावीर स्वामी के सिद्धान्तों से प्रभावित होकर अपने जीवन में 5 व्रतों का पालन किया , वह सिद्धान्त थे, अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह और ब्रहमचर्य।

16. कई लोगों का कहना है कि अहिंसा लोगों को कायर व डरपोक बना देती है किन्तु महात्मा गाँधी ने उक्त कथन को गलत साबित करते हुए भगवान महावीर की अहिंसा का सिंहनाद दुनिया के हर कोने में बजा दिया और सिद्ध करके दिखलाया कि अहिंसा धर्म बहादुरों, बेखौफ लोगों और धर्म पर कुर्बान हो जाने वाले परवानों का धर्म है।

17. गाँधी जी के जीवन पर प्रभाव डालने वाले 3 प्रमुख व्यक्तियों में श्री रामचन्द्र भाई (जैन) प्रमुख थे। धार्मिक शंकाओं का समाधान गाँधी जी रामचन्द्र भाई (जैन) से ही प्राप्त करते थे।

18. गाँधी जी जब दक्षिणी अफ्रीका गये वहाँ उनके मन में हिन्दू धर्म के प्रति कई शंकाए उत्पन्न हुई, तब उन शंकाओं के रामचन्द भाई ने जो उत्तर दिये उससे गाँधी जी की सत्य और अहिंसा में पुनः दृढ़ आस्था हो गई।

जैन शहीदों की गौरवगाथा उनके बलिदान के प्रचार प्रसार एवं संवर्द्धन की आवश्यकता को पूज्य आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज जैसे तपोनिष्ठ साधक ने पहचान कर जो अभूतपूर्व कार्य किया, वह इस देश के सांस्कृतिक इतिहास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हमारे द्वारा किया गया प्रयास ही स्वतन्त्रता की वेदी पर शहीद हुए उन वीरों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति का अधिवेशन श्री महावीर जी अतिशय तीर्थ क्षेत्र में संपन्न, डॉ. मणीन्द्र जैन श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुनः निर्वाचित

श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति का द्वदिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक 18 एवं 19 मार्च 2023 को श्री महावीर जी अतिशय तीर्थ क्षेत्र में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम श्री महावीर जी में स्थित ब्रह्मचारिणी कमलाबाई महाविद्यालय के अंदर अत्यंत खूबसूरत ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के शुभारम्भ में झंडारोहण (जैन ध्वज) बाहर से पधारे अतिथियों श्री प्रदीप जैन आदित्य (पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार, श्री सुरेश जैन (राष्ट्रीय संगठन मंत्री) भारत विकास परिषद्, सुश्री नीता डिसूजा (अध्यक्षा) अखिल भारतीय महिला कांग्रेस, श्री घेवर चंद बोहरा (प्रेसीडेंट) जैन इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन, श्री सुधांशु कासलीवाल जी अध्यक्ष श्री महावीर जी अतिशय तीर्थ क्षेत्र के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन एवं महिला अध्यक्षा श्रीमती शीला जैन डोडिया एवं सैकड़ों जन समूह देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण की उपस्थिति में किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्जवलन श्रीमती सुशीला जैन (मकराना) ने अतिथियों के साथ किया तथा भगवान महावीर के चित्र का अनावरण किया गया।

श्री प्रदीप जैन आदित्य (पूर्व केंद्रीय मंत्री) भारत सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा– हमारे मंच पर डॉ. मणीन्द्र जैन जी विराजमान हैं, जिन्होंने पूरी दुनियां में जैन समाज का नाम गौरवान्वित किया है और जिन्हें हम जैन समाज का "भामाशाह" कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। दान देने में व समाज के कार्य में सदैव सबसे आगे रहते हैं। युवा पीढ़ी तथा देश को संस्कारों से जोड़ने के लिए **"भारत विकास परिषद्"** एक बहुत ही अग्रणी संस्था है। बुजुर्ग युवा सभी को एक माला में जोड़ने का कार्य किया है। हमारे घेवरचंद बोहरा जी जो मुंबई से आये हैं जिओ **(JIO)** के अध्यक्ष हैं।

पूज्य नयपद्मसागर जी ने जिओ **(JIO)** संस्था बनाई है। इस संस्था ने पूरी दुनिया में अपना नाम रोशन किया है। हमारी जैन समाज **Quantity** के रूप में नहीं बल्कि **Quality** के रूप में जानी जाती है। हमारी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। भगवान महावीर का सन्देश जन–जन तक पहुंचाएं यही हमारा कर्त्व्य है। भगवान आदिनाथ जिनका उल्लेख वेदों में है, ऋगवेद में है। हमारा जैन धर्म अनादि काल से है, उन्हीं के पुत्र भरत के नाम से भारत पड़ा है। भगवान आदिनाथ की जन्म कल्याणक जयंती भी भगवान महावीर की जयंती जैसा कार्यक्रम होना चाहिए।

सुश्री नीता डिसूज़ा ने राष्ट्रीय अधिवेशन में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा जिन्होंने मुझे आप सभी के बीच आने का मौका दिया, बड़े भाई डॉ. मणीन्द्र जैन की आभारी हूँ। इतनी बड़ी तादाद में जैन समाज के भाई–बहिनों को इस अधिवेशन में शामिल होते देख रही हूँ। मैं यह भी कहूँगी आपसे कि सकल समाज के पीछे उस समाज की महिलाओं का प्रभाव होता है। मेरा जन्म एक केंद्र शाषित प्रदेश में हुआ था। मैं बहुत खुश किस्मत थी कि सारे समाज के लोगों से बातचीत करने का मौका मिलता था। दिल्ली आने से पहले और राजनीति में कदम रखने से पहले जैन समाज के लोगों से हम जुड़े थे। आप सभी एक होकर सबको बाँध कर

रखना। यह राष्ट्रीय अधिवेशन तभी सफल होगा। जब आप सभी मिलकर, बैठकर सभी बातों को ध्यान से सुनें एक महिला अपने बच्चों के लिए भूखी भी रह सकती हैं, वह अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। जैन समाज का भविष्य उज्जवल है ही क्योंकि जैन समाज के लोग जागरूक हैं। मैं गर्व के साथ कह सकती हूँ कि मैं एक ऐसे भाई की बहन हूँ जिस समाज के लोग कभी मांगने नहीं जाते हैं, जिस समाज की महिलाएं मेहनत करती हैं। मैं चाहूंगी कि राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से भी आप सशक्त हों। राजनीति में भी जैन समाज की महिलाएं भी बढ़ चढ़कर भाग लें। किसी भी प्रत्यासी को आप अपने दिल से चुनें। अब वक्त आ गया है कि जैन समाज की बहनों को भी राजनीति में आना चाहिए।

हमारे देश की 67% महिलाएं शरीर में रक्त की कमी के कारण **"एनीमिया"** की बीमारी से ग्रसित हैं जो कि बहुत ही चिंतनीय है। श्री दिगम्बर जैन महासमिति ने भारत विकास परिषद के साथ मिलकर एक कैंप का आयोजन किया, जिसमें आधुनिक मशीन द्वारा महिलाओं का परीक्षण किया गया।

दिव्यांगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए **डॉ. मल्लिका नड्डा (अध्यक्ष) स्पेशल ओलंपिक्स भारत** के साथ मिलकर मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक परियोजना का प्रारम्भ किया जा रहा है।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अधिवेशन में 18 मार्च की रात्रि को **"चल चरखा फैशन शो"** का बहुत ही शानदार आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रांतों की महिलाओं ने हाथ करघा से निर्मित वस्तु एवं अहिंसात्मक वस्तुओं का प्रयोग कर फैशन शो में भाग लिया एवं नारी शक्ति स्लोगन के माध्यम से नारी संगठन एकता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान अंचल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन **श्रीमती शालिनी जी बाकलीवाल (अंचल अध्यक्ष)** ने अपनी मधुर तथा ओजस्वी वाणी के साथ बहुत ही सुन्दर तथा व्यवस्थित रूप से किया। **"चल चरखा"** फैशन शो में प्रथम स्थान प्राप्त किया ममता वोहरा किशनगढ़ ने उन्हें नकद धनराशि, प्रशस्ति पत्र व ताज पहनाकर सम्मानित किया। द्वितीय स्थान नम्रता ने प्राप्त किया उन्हें नीतू अशोक नगर ने तथा तृतीय स्थान सिलवानी से सोनम मोदी ने प्राप्त किया तथा शेष सभी प्रतिभागियों को **"सांत्वना पुरस्कार"** के रूप में नकद धनराशि व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। **"चल चरखा"** फैशन शो के दौरान दर्शकों के लिए ज्ञानवर्धक प्रश्न मंच भी रखा गया अधिवेशन में **आचार्य विद्यासागर महाराज** का स्केच द्वारा चित्र (Photo) बनाने की प्रतियोगिता भी रखी गई, जिसमें प्रथम स्थान उदयपुर संभाग, द्वितीय किशनगढ़ संभाग, जयपुर व सभी **"सांत्वना पुरस्कार"** के रूप में नकद धनराशि देकर सम्मानित किया गया। समस्त पुरस्कारों की धनराशि श्रीमती सुशीला जैन पाटनी किशनगढ़ द्वारा प्रदत्त की गई। अब तक के समस्त कार्यक्रम की डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनाई गई जिसे प्रदर्शित की गई।

देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए आम सभा की बैठक में महासमिति के पदाधिकारीगण, सदस्यगण तथा कार्यकर्ताओं ने करतल ध्वनि के मध्य अपार हर्ष के साथ देश में समाज उत्थान का पर्याय बन चुके, अनेक पुरस्कारों से सम्मानित, सुशोभित लोकप्रिय उद्योगपति एवं समाज सेवी **डॉ. मणीन्द्र जैन को पुनः सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया** एवं **श्रीमती शीला जैन डोडिया** को **महिला महासमिति की अध्यक्षा पद** पर सुशोभित किया गया।

डॉ. मणीन्द्र जैन ने विगत वर्षों में श्री दिगम्बर जैन महासमिति की स्थापना से लेकर पावन तीर्थ पारसनाथ जी की समस्या, गोवा में पूज्य मुनिवर के उपसर्ग को दूर कराकर 200 साल में प्रथम बार चातुर्मास करना, पारसनाथ तीर्थ पर स्वच्छता अभियान, **आई. आई. टी. (IIT)** में एडमीशन हेतु छात्रों के लिए सुपर थर्टी (**Super** 30) के संस्थापक **श्री आनन्द कुमार** के साथ मिलकर कोचिंग परीक्षा आयोजित करना, **मौलाना आजाद फाउंडेशन** के साथ छात्रवृत्ति योजना में मदद करना, समस्त दिगम्बर जैन समाज को एकता के सूत्र में बांधना, तीर्थों की रक्षा में सहयोग तथा दिगम्बर जैन व्यापारियों को एक सूत्र में जोड़ना, अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा बनाई गयी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित कराना। आप सदैव समाज उत्थान के कार्य बहुत ही लग्नशीलता, कर्मठता एवं नई सोच के साथ बड़ी तन्मयता के साथ करते हैं। प्रभावशाली व्यक्तित्व के कारण विभिन्न संस्थाओं द्वारा आपको समय–समय पर **जैन रत्न, तीर्थ गौरव, जिनधर्म वत्सल, भामाशाह, अहिंसा रत्न, राष्ट्रपति अब्दुल कलाम सम्मान, महात्मा गाँधी सद्भाव एकता पुरस्कार** जैसे अलंकारों से सम्मानित किया गया। आपके व्यक्तित्व के सन्दर्भ में जितना वर्णन किया जाये वह कम है। आपकी कार्यशैली के सम्बन्ध में यह कहना पर्याप्त होगा कि –

"जो लोग सिर्फ सपने देखते हैं, उनके लिए रात छोटी होती है।
तथा जो सपनों को पूरा करते हैं, उनके लिए दिन छोटा पड़ता है।।"

देश भर के विभिन्न राज्यों से आये प्रतिनिधियों ने करतल ध्वनि द्वारा खड़े होकर **डॉ. मणीन्द्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष** का तथा उनकी कार्यकारिणी द्वारा किये गए कार्यों का तथा भविष्य की योजनाओं के प्रति हर्षोल्लास दिखाया तथा सफलता के लिए **तन–मन–धन** से साथ देने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. मणीन्द्र जैन** ने सभी उपस्थित भाई–बहनों को विश्वास दिलाया कि अगले 3 वर्षों में श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति हम सभी के द्वारा किये जा रहे प्रगतिशील कार्यों से देश की सर्वश्रेष्ठ संस्था बनेगी।

मुंबई से आयी IT टीम ने सम्मलेन में पधारे लोगों का श्री दिगम्बर जैन महासमिति के App में Registration किया।

- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

विधवा महिला की लाडो के विवाह में सहयोग देते हुए सम्बल प्रदान किया।

श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवं श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति एवं युवा महिला संभाग अजमेर की सरावगी मोहल्ला इकाई के तत्वावधान मे राजेंद्र स्कूल, पहाड़गंज निवासी विधवा महिला जिसकी आर्थिक स्थिति कमजोर है एवं मेहनत मजदूरी करके बहुत ही कठिनाई से तीन पुत्रियों एवं एक छोटे पुत्र का भरण पोषण कर रही है की बड़ी पुत्री कविता सुपुत्री स्वर्गीय श्री मदन लाल जिसका विवाह आगामी 27 अप्रैल को होने जा रहा है के विवाह में सहयोग समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के निवास स्थान पर किया गया एवं बालिका को अहिंसा व्रत का पालन करने की शपथ दिलाई गई युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैसा एवं सरावगी मोहल्ला इकाई अध्यक्ष किरण गोधा ने बताया कि इस जरूरतमंद विधवा महिला ने संपर्क करके बालिका के विवाह में सहयोग की अपील की जिसे आज विवाह एवं विवाह उपरांत गृहस्थ जीवन के कार्य में आने वाली सामग्री जिसमें दो बेस, 17 साड़िंया, पायल, बिछिया आर्टिफिशियल ज्वेलरी,स्टील के सभी प्रकार के बर्तन, सेलो के आइटम,श्रंगार का सामान, ब्लैंकेट,बेड शीट,ओवन कुकर, प्रेस मिक्सी, गैस चूल्हा,शाल, परिवारजन के कपड़े आदि देकर सहयोग किया गया **श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी** ने बताया कि सामाजिक सरोकार के अंतर्गत यह सेवा कार्य समिति संरक्षक राकेश पालीवाल, **राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी,** सरावगी मोहल्ला इकाई की मंत्री हिना काला,अलका कासलीवाल, अनीता पाटनी,रिंकू कासलीवाल, मंजू गंगवाल, ममता कासलीवाल आदि के सहयोग से सेवाकार्य सम्पन्न कराया गया इस अवसर पर समिति कोषाध्यक्ष श्रेयांस पाटनी, निर्मल गंगवाल,संजय जैन आदि मोजूद रहे। अंत में समिति कोषाध्यक्ष सुषमा पाटनी ने सभी सेवा सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया

- मधु पाटनी, अजमेर

पक्षियों को दाना पानी हेतु सकोरों का वितरण

दिनांक 18 अप्रैल को दोपहर 2 बजे इंदौर में उदयनगर इकाई द्वारा धार्मिक प्रश्नोत्तरी ,पक्षियों को दाना पानी हेतु सकोरों का वितरण ,केले के व्यंजन प्रतियोगिता एवं अन्य कार्यक्रमों के साथ शपथ विधि कार्यक्रम आयोजित किया गया। **कार्यक्रम बहुत ही व्यवस्थित श्रीमती सुनीता जैन के निर्देशन में संजोया गया था ।** शपथ श्रीमती मंजू जी अजमेरा द्वारा दिलवाई गई । इस अवसर पर अतिथि के रूप में श्रीमती मंजू अजमेरा, श्रीमती विजया जी पहाड़िया ,ज्योति जी जैन , साधना गांधी ,अनीता जी बड़जात्या आदि उपस्थित थे। अध्यक्ष श्रीमती रश्मि जैन , सचिव श्रीमती वंदना जैन ,कोषाध्यक्ष श्रीमती संगीता जैन बनी । स्वागत उद्बोधन श्रीमती रश्मि जैन ने दिया सशक्त संचालन श्रीमती संगीता जैन, इन्दौर ने किया आभार सचिव वंदना जी ने किया ।

- मंजु अजमेरा, कार्याध्यक्ष

बृद्धाश्रम में एक माह का भोजन एवं दैनिक उपयोग सामग्री का वितरण

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति एवं लेडिस यूनिटी सोशल ग्रुप द्वारा सेवाधाम बृद्धाश्रम में एक माह की भोजन दैनिक उपयोग सामग्री एवं एक मिक्सी दी गई। अध्यक्ष मधुशाह ने बताया कि आदिनाथ भगवान के पारणा दिवस दान दिवस के उपलक्ष में संस्थाओं द्वारा सदस्यों के सहयोग से यह कार्य किया गया। इस पुनीत कार्य में आदरणीय पूर्व उपमहापौर श्रीमती सुनीता जी व्यास एवं रेखा गोधा , ह्यूमन हेल्प लाइन के संयोजक मनोज जी आदि की गौरवमय उपस्थिति रही।

उपाध्यक्ष श्रीमती मृदुला ने बताया कि सँगीता शेलेन्द्र , सँगीता रावका के संयोजक में करीब 30 सदस्यों की उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने बुजुर्गों से हालचाल पूछा स्वास्थ्य की जानकारी ली सबको हाथों से भोजन परोसा। यह कार्य करके स्वंय को गौरवान्वित महसूस किया और आगे भी जब जब संस्था को सहयोग की आवश्यकता होगी सहयोग देते रहने का आश्वासन दिया। सँगीता तलवंडी , अनीता बज मंजू अजमेरा, स्वाति पाटनी, अनीता पटौदी, मोनिका , गुनमाला, नैना जैन मीना पाटनी, शकुंतला दुगेरिया, अर्चना टोंगया, प्रिया अग्रवाल, आशा लुंगया रजनी गंगवाल फूल कवर ,ऋतु अजमेरा, आदि सदस्यों ने सेवा के कार्य करके गौरवान्वित महसूस किया।

- मधु शाह अध्यक्ष कोटा

श्री दिगंबर जैन महिला मध्यांचल के चुनाव के कार्यक्रम की झलकियां

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मध्यांचल के चुनाव दिनांक 12 अप्रैल 2023 बुधवार को प्रीतमलाल दुआ सभागृह में चुनाव अधिकारी सम्मानीय श्रीमान हसमुख जी गांधी एवं श्रीमती मंजू जी अजमेरा, के निर्देशन में निर्विरोध संपन्न हुए । उक्त अवसर पर मध्यांचल निर्वतमान अध्यक्ष श्रीमती इंदु जी गांधी, पूर्व अध्यक्ष श्री मती विजया जी पहाड़िया एवं विशिष्ट सदस्य संरक्षक सदस्य एवं विभिन्न संभागों के पदाधिकारी जैसे, भोपाल संभाग मेन, अशोका गार्डन भोपाल, अशोक नगर, उज्जैन, धार, जबलपुर, मुंगावली आदि संभागों के पदाधिकारी बीच संपन्न हुए । जिसमें सर्व सम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष पद पर श्रीमती संगीता सोगानी उज्जैन कोषाध्यक्ष श्रीमती पूजा सोगानी सचिव महामंत्री श्रीमती ममता जी गंगवाल धार युवा प्रकोष्ठ मंत्री श्रीमती प्रीति पाली जबलपुर महिला प्रकोष्ठ मंत्री श्रीमती ज्योति जी गोधा इंदौर कार्य अध्यक्ष श्रीमती अल्पना जी सर्राफ मुंगावली कार्याध्यक्ष श्रीमती संध्या जी भोपाल आदि सभी के निर्विरोध चुनाव संपन्न हुए ।

- मंजू अजमेरा, संस्थापक अध्यक्ष
संगीता सोगानी, नव निर्वाचित अध्यक्ष
ममता गंगवाल, महामंत्री

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की रामपुरा इकाई द्वारा रिधिषिधि इकाई द्वारा महावीर नगर , दादाबाड़ी सभी इकाईयों द्वारा अपने अपने क्षेत्र पर आज दान दिवस पर शुद्ध इक्षु रस के रस का रसपान कराया गया तथा रावतभाटा इकाई द्वारा गोशाला में चारा वितरण किया गया

- मधु शाह, कोटा संभाग

श्री दिगम्बर जैन महासमिति राष्ट्रीय अधिवेशन 18-19 मार्च, 2023
श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र (राजस्थान) के कार्यक्रम की झलकियां

श्री दिगम्बर जैन महासमिति राष्ट्रीय अधिवेशन 18-19 मार्च, 2023
श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र (राजस्थान) के कार्यक्रम की झलकियां

श्री दिगम्बर जैन महासमिति राष्ट्रीय अधिवेशन 18-19 मार्च, 2023
श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र (राजस्थान) के कार्यक्रम की झलकियां

श्री दिगम्बर जैन महासमिति राष्ट्रीय अधिवेशन 18-19 मार्च, 2023
श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र (राजस्थान) के कार्यक्रम की झलकियां

श्री दिगम्बर जैन महासमिति राष्ट्रीय अधिवेशन 18-19 मार्च, 2023
श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र (राजस्थान) के कार्यक्रम की झलकियां

श्री दिगम्बर जैन महासमिति राष्ट्रीय अधिवेशन 18-19 मार्च, 2023
श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र (राजस्थान) के कार्यक्रम की झलकियां

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

If undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mob. :- 9810043108, 8826578600